पंजीकरण प्रपत्र

सेवा में,
निदेशक
संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय डीआरडीओ मुख्यालय,
राजा जी मार्ग, नई दिल्ली - 110011

इस संगठन/कार्यालय/विश्वविद्यालय से निम्नलिखित प्रतिभागियों को संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सम्मेलन में भाग लेने हेतु नामित किया जाता है।

नाम .....

पदनाम .....

शोधपत्र/लेख का शीर्षक .....

संगठन/कार्यालय/विश्वविद्यालय का नाम एवं

पता .....

दूरभाष .....

मोबाइल .....

फैक्स .....

ई–मेल .....

चेन्नई – एक परिचय

चेन्नई भारत में बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित तमिलनाडु की राजधानी, भारत का चौथा बड़ा नगर तथा तीसरा सबसे बड़ा बन्दरगाह है। यह नगर अपनी संस्कृति एवं परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। ब्रिटिश साम्राज्य ने 17वीं शताब्दी में एक छोटी–सी बस्ती मद्रासपट्टनम का विस्तार करके इस नगर का निर्माण किया था। उन्होंने इसे एक प्रधान नगर एवं नौसैनिक अड्डे के रुप में विकसित किया। बीसवीं शताब्दी तक यह मद्रास प्रेसिडेंसी की राजधानी एवं एक प्रमुख प्रशासनिक केन्द्र बन चुका था।

यह नगर सॉफ्टवेयर, सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी उत्पादों में भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक नगर है। चेन्नई मंडल तमिलनाडु के जीडीपी का 39 प्रतिशत और देश के ऑटोमोबाइल निर्यात में 60 प्रतिशत भागीदार है। इसी कारण इसे दक्षिण एशिया का डेट्रॉएट भी कहा जाता है। चेन्नई सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है। चेन्नई में रंगशाला संस्कृति भी अच्छे स्तर पर है और यह भरतनाट्यम का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है। यहां का तमिल चलचित्र उद्योग, जिसे कॉलीवुड भी कहते हैं, भारत का द्वितीय सबसे बड़ा फिल्म उद्योग केन्द्र है। पार्क टाउन, चेन्नई में ब्रिटिश स्थापत्य कला के सबसे उत्कृष्ट नमूनों में से एक है।

आवश्यक जानकारी

लेख प्राप्ति की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2023 है।
शोध–पत्र चयन से संबंधित सूचना 15 दिसंबर 2023 तक दी जाएगी।

सम्मेलन 'उन्मेष–2024'

प्रथम अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन
सम्मेलन विवरणिका
10 11 जनवरी 2024

मुख्य आयोजक
डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली

सह आयोजक
संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई), चेन्नई

मुख्य संरक्षक

डॉ. समिर वी. कामत, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ

संरक्षक मंडल

डॉ. शैलेंद्र वी गाड़े, महानिदेशक (एसीई)
श्री पुरुषोत्तम बेज, महानिदेशक (आर एवं एम)

संयोजक

डॉ. रविन्द्र सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक
ससदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय, दिल्ली
श्री जे. राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक
संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई), चेन्नई

सह संयोजक

श्री एस मदी, वैज्ञानिक 'एफ'
श्री चंद्र प्रकाश मीणा, वैज्ञानिक 'ई'

संपर्क सूत्र

श्री एम.एलिलन (समन्वयक - चेन्नई) : 9444443153
श्रीमती अरुण कमल (समन्वयक - दिल्ली) : 9811015727
drdosammelan@gmail.com

डीआरडीओ–एक परिचय

डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आता है जिसका विजन देश को अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों से सशक्त बनाना है। देश की सुरक्षा के सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए यह भारतीय सशस्त्र बलों के लिए अत्याधुनिक हथियारों तथा प्रणालियों के डिजाइन तथा विकास का कार्य करता है। डीआरडीओ की स्थापना 1958 में प्रौद्योगिकीय सामर्थ्य निर्माण के लिए की गई, जिससे मौजूदा शस्त्र प्रणालियों और अन्य आयातित रक्षा उपकरणों के स्थान पर स्वदेशी उपकरण तैयार किए जा सकें।

राजभाषा हिंदी के संदर्भ में की गई डीआरडीओ की कुछ महत्वपूर्ण पहल–

- वर्ष में 10 वैज्ञानिक एवं तकनीकी राजभाषा संगोष्ठियों का आयोजन।
- विज्ञान, शोध–पत्रों, इतिहास और साहित्य की विभिन्न विधाओं की हिंदी पुस्तकों का प्रकाशन।
- डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा लगभग 50 गृह–पत्रिकाओं के तकनीकी एवं सामान्य अंकों का प्रकाशन।
- डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा डीआरडीओ इंट्रानेट पर हिंदी से संबंधित जानकारियों के लिए 'पहल' पोर्टल का निर्माण।
- अनुवाद टूल 'कंठस्थ–2' का डीआरडीओ इंट्रानेट पर कस्टमाइजेशन।
- स्पीच टू टेक्स्ट' के लिए माइक्रोसॉफ्ट की उपलब्ध सुविधाओं को डीआरडीओ के इंट्रानेट पर उपलब्ध कराने हेतु कार्रवाई प्रगति पर।

सम्मेलन 'उन्मेष–2024'
(दो दिवसीय राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सम्मेलन)

आयोजन का उद्देश्य

आज के इस सूचना एवं प्रौद्योगिकी युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में हो रहे नव अनुसंधानों से उत्सर्जित ज्ञान का सफल प्रबंधन अपरिहार्य है। इस राजभाषा सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे सभी नवीनतम अनुसंधानों और संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है। हिंदी आम जनमानस की भाषा है और इस सम्मेलन के द्वारा विज्ञान के माध्यम से हो रहे अकल्पनीय परिवर्तनों के साथ–साथ विश्व को एक नई दिशा देने वाली प्रौद्योगिकीय संभावनाओं पर राजभाषा हिंदी में विचार रखे जाएंगे। राजभाषा हिंदी में प्रस्तुत किए गए ये वैज्ञानिक एवं तकनीकी शोध–पत्र/लेख और तमिल प्रस्तुतियां हमारे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े युवा शोधार्थियों तक पहुंचे, यही हमारा लक्ष्य है।

विषय

विघातक प्रौद्योगिकियां एवं नवीन संभावनाएं
Disruptive Technologies and New Prospects

आयोजन तिथि
10–11 जनवरी 2024

आयोजन स्थल
अर्जुन सभागार
संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई),
आवड़ी, चेन्नई–600054

सामान्य जानकारियां

लेख तैयार करने एवं प्रस्तुतीकरण संबंधित सामान्य दिशा–निर्देश निम्नलिखित हैं:

1. सम्मेलन में लेख/शोध पत्र प्रस्तुतीकरण की भाषा राजभाषा हिंदी है। इसके साथ ही एक सत्र तमिल भाषा में आमंत्रित उत्कृष्ट शोध पत्रों के लिए भी आयोजित किया जाएगा।

2. लेख की भाषा सरल हो।

3. तकनीकी लेख अनुसंधान एवं विकास से संबंधित कार्यों पर आधारित हों जिसमें प्रस्तावना के साथ, कार्य का विवरण, महत्वपूर्ण परिणाम, उपयोगिताएं एवं अंत में कार्य का निष्कर्ष लिखना बेहतर होगा।

4. पूर्ण लेख को यूनिकोड फॉंट में टंकित कर उसकी सॉफ्ट प्रति भेजें। शीर्षक का फोंट साइज 14 और लेख का फोंट साइज 12 होना चाहिए। सिर्फ पीडीएफ में प्रेषित पत्र स्वीकार्य नहीं होंगे।

5. पूर्ण लेख की अधिकतम संख्या 5 पृष्ठ ही रखें।

6. लेख/शोध - पत्र की सॉफ्ट कॉपी के साथ नाम, पदनाम एवं कार्यालय का नाम तथा मोबाइल नं. एवं ई–मेल आईडी का भी विवरण दें।

7. सम्मेलन में प्रस्तुतियों हेतु विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। उत्कृष्ट चयनित लेख/शोध पत्र की मौखिक प्रस्तुति के लिए वक्ता को 10 मिनट का समय दिया जाएगा।

8. चयनित प्रतिभागियों को प्रस्तुतियों के संदर्भ में आगे सूचना दी जाएगी।

9. सम्मेलन में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी स्वीकृत लेखों को सम्मेलन स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा।

10. **आवास व्यवस्था** : सम्मेलन के लिए चयनित छात्र प्रतिभागियों के लिए अग्रिम सूचना के आधार पर आवास की व्यवस्था की जाएगी। अन्य प्रतिभागी अपने आवास एवं परिवहन का प्रबंध स्वयं करेंगे।

सभी पत्राचार निम्नलिखित ई–मेल के माध्यम से करें:
drdosammelan@gmail.com